पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने गणेश उत्सव मण्डल चौक में गणपति की पूजा अर्चना की
बाल गंगाधर तिलक ने सार्वजनिक गणेश उत्सव मनाने की शुरूआत की - श्री नाईक

लखनऊः 07 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज गणेश उत्सव मण्डल द्वारा चौक के सर्राफा बाजार में आयोजित गणपति उत्सव में जाकर आरती व पूजा की तथा देश एवं प्रदेश के सुख-समृद्धि की कामना भी की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि गणपति को बुद्धि, सुख देने वाला, दुःख को समाप्त करने वाला देवता माना जाता है। बच्चों की पढ़ाई गणेशाय नमः लिखाकर शुरू होती है। गणपति की विशेषता है कि उन्हें देवों का देव माना जाता है तथा भारतीय संस्कृति में उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार अच्छी बारिश हुई है जो अच्छी फसल की सूचक है। किसान के आनन्द से बाजार में रौनक आती है। उन्होंने कहा कि गणपति सुख और समृद्धि के देवता है।

श्री नाईक ने कहा कि गणपति उत्सव की शुरूआत महाराष्ट्र में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने देश को आजादी दिलाने की दृष्टि से जनता में जागृति पैदा करने के लिए की थी। बाल गंगाधर तिलक ने घर-घर में होने वाली गणेश पूजा को सामूहिक उत्सव बनाने के लिए गणेश उत्सव की शुरूआत की। आज गणेश उत्सव पूरे हिन्दुस्तान के साथ-साथ विदेशों में बसे भारतीयों द्वारा भी मनाया जाता है। अंग्रेजों ने बाल गंगाधर तिलक को असंतोष का जनक कहकर जेल में डाल दिया था। बाल गंगाधर तिलक ने कहा था कि स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है मैं उसे लेकर रहूंगा। बाल गंगाधर तिलक ने रंगून के कारावास में 'गीता रहस्य' लिखा जो आम आदमी भी समझ सके। उन्होंने कहा कि बाल गंगाधर तिलक ने शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक उत्सव के रूप में मनाने की परम्परा का भी शुभारम्भ किया।

गणेश उत्सव में भातखण्डे संगीत संस्थान सम विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती श्रुति सडोलीकर काटकर सहित अन्य विशिष्ट जन व बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (323/15)

श्री राम नाईक जी
मा० राज्यपाल उ०प्र०